PG Even Semester Exam, May 2025

HINDI

2nd Semester

Course No. HIN-552

रीतिकालीन काव्य

(Ritikalin Kavya)

Full Marks: 70
Pass Marks: 28

Time: 3 hours

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए- $7 \times 2 = 14$

क. केशव एक समै हरि-राधिका आसन एक लसै रंग भीने।
आनन्द सो तिय आनन की दुति देखत दरपन में दृग दीने।
भाल के लाल में बाल बिलोकत ही भरी लालन लोचन लीने।
सासन पीय सवासन सीय हुतासन में जनु आसन कीने॥

ख. बैठि रही अति सघन बन, पैठि सदन तन-माँहि।
देखि दुपहरी जेठ की, छाँहों चाहति छाँह॥
पावस घन अँधियार मँह, रह्यो भेदि नहिं आनु।
रात द्यौस जान्यो परतु, लखि चकई चकवानु॥

ग. आइ बरसाने ते बुलाने वृषभाननु सुता,

निरखि प्रभात प्रभा भानु की अथै गई।
चक चकवानु को चुटाए चख चोटन सों,
चकित चकोर चक चौंधी से चकै गई।
नंद जू के नंद जू के नैनन अन्दमयी,
नंद जू के मंदिरन चंदमयी छै गई।
कंजन कलीनमयी कुँजन अलीनमयी,
गोकुल के गलिन नलिनमयी कै गई॥

घ. राना भो चमेली और बेला सब राजा भए
ठौर ठौर रस लेत निज यह काज है।
सिगरे अमीर आनी कुंद होत घर घर
भ्रमर भ्रमर जैसे फूल को समाज है।
भूषन भनत सिवराज वीर तैहीं देस
देसन में राखी सब दखिन की लाज है।
त्यागे सदा षटपद पद अनुमानि यह
अली नवरंगजेब चंपा सिवराज है॥

ङ. हीन भए जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही को लाए कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।
प्रीत की रीत सु क्यौं समुझै जड़ मीत को पानि परै को प्रमानै।
या मन कू जु दसा घनआनंद जीव को जीवनि जान ही जानै॥

2. रामचन्द्रिका के अंश 'वनमार्ग में राम' में प्रस्तुत राम-सीता के सौन्दर्य का उल्लेख कीजिए। 14

अथवा

पठित अंशो के आधार पर 'रसिक प्रिया' के भावबोध का चित्रण कीजिए।

3. बिहारी के दोहों की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 14

अथवा

बिहारी की श्रृंगारिकता पर विचार कीजिए।

4. पठित छन्दों के आधार पर देव के सौन्दर्य बोध पर विचार कीजिए। 14

अथवा

भूषण रीतिकाल के वीर रस प्रधान कवि हैं, सिद्ध कीजिए।

5. घनानन्द के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 14

अथवा

घनानन्द वियोग श्रृंगार के सार्थक कवि हैं, विचार कीजिए।

★★★